संपादकीय

लॉकडाउन से डरकर नहीं चलेगा काम

फ्रैंकफर्ट स्कूल आफ फाइनैंस के अनुसार यदि लॉकडाउन नहीं लगाते हैं तो मृत्यु दर बढ़ती है और उससे आने वाले समय में अर्थव्यवस्था में गिरावट आती है। इसके विपरीत अगर लॉकडाउन लगाते हैं, तो अर्थव्यवस्था में तत्काल गिरावट आती है। वित्तीय संस्था जेफ्रीज ने बताया है कि अमेरिका के तीन राज्य ऐरिजोना, टैक्सस और यूटाह में लॉकडाउन न के बराबर लगाए गए। परिणाम यह हुआ कि इन राज्यों में कोविड का फैलाव अधिक हुआ और अर्थव्यवस्था में ज्यादा गिरावट आई। इसी अध्ययन में स्कैंडिनेविया के दो देशों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। स्वीडन में लोगों को स्वैच्छिक सोशल डिस्टेंसिंग अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके विपरीत डेनमार्क में लॉकडाउन लगाया गया। पाया गया कि स्वीडन में पांच गुना अधिक मृत्यु हुई। यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफर्ड और 'वाइली क्लिनिकल प्रैक्टिस' पत्रिका में दो अलग-अलग लेखों में इंग्लैंड के लॉकडाउन के संबंध में बताया गया कि देर से लॉकडाउन लगाने के कारण वहां मृत्यु दर अधिक हुई, जिसका अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ा।

कैसा हो लॉकडाउन- इन अध्ययनों से स्पष्ट है कि लॉकडाउन तो हमें लगाना ही पड़ेगा। लॉकडाउन नहीं लगाते हैं तो महामारी का फैलाव अधिक होता है जो अंततः अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ता है। दूसरी तरफ अगर लॉकडाउन लगाते हैं तो अर्थव्यवस्था को सीधे नुकसान होता है। इसलिए हमारे सामने सवाल यह नहीं है कि लॉकडाउन लगाएं या न लगाएं। सवाल यह है कि लॉकडाउन किस तरह लगाया जाए, उसका प्रकार कैसा हो।

लॉकडाउन विशेष स्थानों, कार्यों एवं तरकीब से लगाया जा सकता है जिससे कि आर्थिक दुष्प्रभाव कम हो और महामारी का फैलाव भी कम हो। 'इकनॉमिक्स टुडे' पत्रिका के अनुसार अगर कंस्ट्रक्शन उद्योग से कह कर श्रमिकों को साइट की चारदीवारी के अंदर ही रहने की सुविधा मुहैया कराई जाए, तो आर्थिक गतिविधि जारी रखते हुए भी महामारी के फैलाव पर काबू पाया जा सकता है। इसी प्रकार की व्यवस्था कल-कारखानों में भी की जा सकती है।

यह भी देखना चाहिए कि लॉकडाउन का तात्कालिक और दीर्घकालिक कुल प्रभाव क्या है। स्कूलों में लॉकडाउन लगाने से वर्तमान में विशेष नकारात्मक प्रभाव न दिखाई दे, तो भी दीर्घकाल में इसका बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। इसलिए वहां टेस्टिंग और ट्रेसिंग की जाए। इसकी तुलना में होटल, रेस्ट्रॉन्ट, मंदिर और तीर्थयात्रा पर लॉकडाउन लगा देना बेहतर है, क्योंकि इन गतिविधियों से कोविड के फैलाव की संभावना अधिक होती है।

सरकार को अलग-अलग गतिविधियों पर अलग-अलग तरकीब से लॉकडाउन लगाने के नफा-नुकसानों का आकलन करना चाहिए। प्राइमरी, सेकेंडरी और उच्च शिक्षा के विद्यालयों में लॉकडाउन लगाने से सं मण में कितनी बचत होती है, और अर्थव्यवस्था को कितनी हानि होती है, यह देखा जाए। इसी प्रकार विदेश यात्रा, होटल, रेस्ट्रॉन्ट और तीर्थयात्रा को प्रतिबंधित करने से कितनी लाभ-हानि होती है, यह भी देखा जाए। कंस्ट्रक्शन के मामले में भी इसे खोलने, बंद करने अथवा श्रमिकों को चारदीवारी के अंदर रखने- इन तीनों विकल्पों के अलग-अलग नफा-नुकसानों की ठीक से गणना की जानी चाहिए। तब जिस विकल्प में लाभ अधिक हों, उसको अपनाना चाहिए। ऐसा करने से अर्थव्यवस्था की मूल गति बनी रह सकती है।

'वाइली क्लिनिकल प्रैक्टिस' पत्रिका में इस बात पर जोर दिया गया कि लॉकडाउन को केवल ऊपर से लगाने से बात नहीं बनती है। इसमें जनता का सहयोग हासिल करना महत्वपूर्ण होता है। मेरे ध्यान में है कि पिछले वर्ष कोविड महामारी के प्रारंभिक समय में न्यू यॉर्क के गवर्नर कुओमो हर रोज सुबह प्रेस वार्ता करके जनता को परिस्थिति की विस्तृत जानकारी देते थे। इसी प्रकार यदि प्रत्येक राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रतिदिन जनता को सही परिस्थिति से अवगत कराएं और स्वयं भी उन नियमों का पालन करें, जिनकी अपेक्षा वे जनता से करते हैं, तो जनता का उन्हें सहयोग मिलेगा। याद करें कि लाल बहादुर शास्त्री ने पाकिस्तान से युद्ध के समय संपूर्ण देश का आह्वान किया था कि सबको सप्ताह में एक दिन का उपवास करना चाहिए, जिससे अनाज की बचत हो सके। उनके आह्वान का संपूर्ण देशवासियों पर गहरा प्रभाव पड़ा था क्योंकि वह स्वयं भी उस सलाह का निष्ठापूर्वक पालन कर रहे थे।

-भरत झुनझुनवाला

कोरोना महामारी से अर्थव्यवस्था पर असर, पर पिछले साल की तरह गंभीर नहीं

मुंबई । कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही की आधी अवधि में आर्थिक गतिविधियां प्रभावित जरूर हुई हैं लेकिन कमजोर नहीं पड़ी हैं। हालांकि संक्रमितों की संख्या पूर्व के मुकाबले कहीं अधिक हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के एक लेख में यह कहा गया है। इसमें कहा गया है कि कोरोना वायरस महामारी की रफ्तार ने भारत और दुनिया को अचंभित किया है। इस तेजी पर अंकुश लगाने के लिये युद्ध स्तर पर अभियान चलाये गये

हैं। अर्थव्यवस्था की स्थिति पर आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम डी पात्रा और अन्य अधिकारियों ने अपने लेख में लिखा है, ''दूसरी लहर का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पहली लहर के मुकाबले सीमित जान पड़ता है। स्थानीय स्तर पर जरूरत के अनुसार 'लॉकडाउन', लोगों को घर से काम करने की व्यवस्था के लिये स्वयं को बेहतर तरीके से तैयार करना, ऑनलाइन डिलिवरी मॉडल, ई-वाणिज्य और डिजिटल भुगतान का अच्छे तरीके से काम करना इसके उदाहरण हैं।'' आरबीआई ने साफ किया है कि लेख में अभिव्यक्त विचार लेखकों के हैं और कोई जरूरी नहीं है कि वे आरबीआई के विचारों से मेल खाते हों। लेख के अनुसार संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि पर रोक लगाने के लिये कई राज्यों में लगायी गयी पाबंदियो से अप्रैल और मई में वास्तविक अर्थव्यवस्था के कई संकेतक हल्के पड़े। पहली लहर की तुलना में दूसरी लहर महानगरों, शहरों में तेज रही। यह राज्यों, क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से फैला है। लेख के अनुसार, ''दूसरी लहर से 2020-21 की पहली तिमाही की आधी अवधि में आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित जरूर किया लेकिन उसे कमजोर नहीं किया...सकल मांग की स्थिति पर असर पड़ा है लेकिन वह प्रभाव पहली लहर जैसा गंभीर नहीं है।'' इसमें कहा गया है, ''हालांकि इस समय स्थिति अभी स्थिर नहीं हुई है। लेकिन जो प्रवत्ति है, उससे यह पता चलता है कि अर्थव्यवस्था की गति पर जो असर पड़ा है, वह उतना गंभीर नहीं है, जितना कि पिछले साल था।'' लेख के अनुसार, ''दूसरी लहर का सबसे बड़ा प्रभाव मांग के झटके के संदर्भ में है - आवाजाही पर असर, सोच-विचारकर किये जाने वाले खर्च और रोजगार की कमी। इसके अलावा माल भंडार पर भी असर पड़ा है। जबकि कुल आपूर्ति पर प्रभाव कम पड़ा है।'' इसमें कहा गया है कि घरेलू व्यापार के बारे में संकेत देना वाला ई-वे बिल में अप्रैल 2021 में मासिक आधार पर 17.5 प्रतिशत की कमी आयी है। पेट्रोल और डीजल बिक्री के प्रारंभिक आंकड़े भी अप्रैल में ईंधन की मांग में नरमी को बताते हैं जिसका कारण आवाजाही पर पाबंदी है। इसके अलावा यात्री वाहनों के मूल उपकरण विनिर्माताओं ने अप्रैल में मासिक आधार पर गिरावट की सूचना दी है। माल ढुलाई और यात्रियों की आवाजाही में नरमी आयी है।

डिश टीवी के ऋणदाताओं ने गिरवी रखे शेयरों को खुले बाजार में बेचा

नई दिल्ली। डीटीएच सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी डिश टीवी ने आज बताया कि उसके ऋणदाताओं ने प्रवर्तकों द्वारा गिरवी रखे 5.11 करोड़ शेयरों को खुले बाजार में बेचा है, जिसके बाद प्रवर्तक समूह मीडिया डिस्ट्रीब्यूशन वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की कंपनी में सीधी हिस्सेदारी 2.78 फीसदी घट गई।

डिश टीवी ने शेयर बाजार को बताया कि ट्रस्टी ने ऋणदाताओं की तरफ से 5,11,97,105 शेयर बेचे हैं, जो गिरवी रखे गए थे।

कंपनी ने बताया कि ये शेयर खुले बाजार में 30 दिसंबर 2020 से 12 मई 2021 के बीच चार खेप में बेचे गए।

इस सौदे के बाद मीडिया डिस्ट्रीब्यूशन वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की डिश टीवी में सीधी हिस्सेदारी 4.87 प्रतिशत से घटकर 2.09 प्रतिशत रह गई।

ईरान ने भारत को दिया 3 अरब डॉलर का झटका

नई दिल्ली । भारत को ईरान में 3 अरब डॉलर की गैस परियोजना से हाथ धोना पड़ा है। ईरान ने फारसी ब्लॉक के फरजाद-बी गैस फील्ड से भारत को बाहर का दरवाजा दिखा दिया है। भारत की सरकारी तेल कंपनियों की अगुवाई वाले कंसोर्टियम ने 2008 में यह गैस भंडार खोजा था। ईरान ने इस कंसोर्टियम के साथ करीब एक दशक तक चली बातचीत के बाद भारत को इस परियोजना से बाहर कर दिया।

ईरान की सरकारी तेल कंपनी एनआईओसी ने इस गैस भंडार से उत्पादन के लिए सोमवार को पेट्रोपार्स के साथ 1.7 अरब डॉलर की डील पर हस्ताक्षर किए। यह

डील ईरान के पेट्रोलियम मिनिस्टर की उपस्थिति में हुई। यह दूसरा मौका है जब ईरान में भारत के निवेश प्रस्ताव को झटका लगा है। पिछले साल ईरान ने चाबहार रेलवे लिंक परियोजना के लिए भारत के 2 अरब डॉलर के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था और खुद ही इसे बनाने का फैसला किया था। दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने इस डील को आगे बढ़ाने पर प्रतिबद्धता जताई थी। ईरान की मंशा

फरजाद-बी को लेकर हो रही बातचीत में शुरू से ही गतिरोध था। ओएनजीसी विदेश की अगुवाई वाले भारतीय कंसोर्टियम ने 2002 में एक्सप्लोरेशन एग्रीमेंट पर साइन किए थे और 40 करोड़ डॉलर का निवेश किया था। गैस भंडार की खोज के एक साल बाद 2009 में ईरान ने इस एग्रीमेंट को एक्सपायर होने दिया था। अभी यह साफ नहीं है कि भारतीय कंसोर्टियम अपने निवेश की वसूली कैसे करेगा। डील के लिए कई डेडलाइन मिस हुई थी। भारत ने डील की शर्तों में बार-बार बदलाव और इसमें देरी के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया।

ईरान इस परियोजना को किसी और देश को देने की फिराक में है। उसी साल 7 जून को टीओआई ने खबर दी थी कि ईरान फरजाद-बी के लिए रूस की कंपनी गैजप्रॉम के साथ एक बेसिक एग्रीमेंट कर रहा है। भारतीय अधिकारियों के मुताबिक ईरान की मंशी मार्च 2017 में ही साफ हो गई थी जब उसने कंसोर्टियम के फील्ड डेवलपमेंट प्लान पर कोई जवाब नहीं दिया। एनआईओसी के स्कोप ऑफ वर्क घटाने के बाद इसे 4 अरब डॉलर से 3 अरब डॉलर कर दिया गया था।

शेयर बाजार में शानदार तेजी, सस्ता हो गया है सोना

नई दिल्ली। एक ओर शेयर बाजार में शानदार तेजी देखी जा रही है, वहीं दूसरी ओर सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। 48,474 रुपये के स्तर पर बंद हुआ सोना आज 55 रुपये की गिरावट के साथ 48,419 रुपये के स्तर पर खुला है। बाद के कारोबार में सोने की ये गिरावट और बढ़ती ही चली गई। सुबह 10 बजे के करीब सोने में 100 रुपये से भी अधिक की गिरावट आ चुकी थी। वहीं चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। सोमवार को 73,324 रुपये प्रति किलो के स्तर पर बंद हुई चांदी आज 431 रुपये की तेजी के साथ 73,755 रुपये प्रति किलो पर खुली है। चांदी की ये तेजी दिन के कारोबार में और बढ़ती ही चली गई। सुबह 10 बजे के करीब चांदी में 510 रुपये से भी अधिक की तेजी देखी जा चुकी थी। सोने की कीमतों में गिरावट की एक बड़ी वजह है कोरोना वायरस के घटते मामले। जैसे-जैसे कोरोना के मामले घट रहे हैं, लोगों का रुझान शेयर बाजार की तरफ बढ़ रहा है। सोमवार को करीब महीने भर में पहली बार कोरोना के मामले 3 लाख से कम हुए, जिसका सीधा असर शेयर बाजार पर देखने को मिला और सेंसेक्स करीब 848 अंक उछल गया। आज भी शेयर बाजार करीब 650 अंकों से अधिक की तेजी दिखा चुका है। कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के बीच सोना गिरा है।

पोस्टर में मुझे देख दिल दे बैठे थे हरभजनः गीता बसरा

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बॉलर हरभजन सिंह की पत्नी गीता बसरा ने अपनी शादी को लेकर दिलचस्प खुलासा किया है। एक इंटरव्यू के दौरान गीता बसरा ने बताया कि जब मेरी फिल्म द ट्रेन का पोस्टर रिलीज हुआ। तभी हरभजन मुझे देख दिल दे बैठे थे। फिल्म इंडस्ट्री के कुछ लोगों से मेरे बारे में पूछताछ करने लगे थे। हालांकि मुझे हरभजन सिंह कौन है? इसके बारे में बिल्कुल पता नहीं था क्योंकि मैं क्रिकेट देखती ही नहीं थी। गीता ने कहा, मेरी फिल्म के पोस्टर में ही देखकर हरभजन ने मुझे पसंद कर लिया। फिर मेरा गाना रिलीज हुई वो अजनबी। इसके बाद हरभजन मेरे बारे में पूछताछ करने लगे कि कौन है ये लड़की। कहां की है। वहीं मुझे क्रिकेट देखने में कोई दिलचस्पी नहीं थी इसलिए मुझे हरभजन सिंह कौन है? क्या है? बिल्कुल भी पता नहीं था। हरभजन और गीता ने 29 अक्टूबर साल 2015 में जालंधर में शादी रचाई थी। फिलहाल उनकी एक बेटी का जिसका नाम हिनाया है और जल्द

ही गीता अपने दूसरे बच्चे को जन्म देने वाली हैं। अपने एक इंटरव्यू में गीता ने दूसरी बार मां बनने का अनुभव भी फैंस के साथ शेयर किया था। उन्होंने बताया कि दूसरी प्रेग्नेंसी मेरे लिए थोड़ा कठिन है और अलग भी है। इस दौरान कुछ चीजें हैं जो मैं बिल्कुल भी खा नहीं सकती। कुछ महीनों में चीजें थोड़ी बदल जाएगी। हिनाया बहुत खुश है और वह काफी एक्साइटेड भी है। बता दें कि गीता बसरा ने साल 2006 में दिल दिया है से बॉलिवुड में डेब्यू किया था। उनकी दूसरी फिल्म द ट्रेन का सुपरहिट गाना वोह अजनबी साल 2007 में रिलीज हुई थी। गीता बसरा की फिल्मी करियर की बात करें तो उन्हें आखिरी बार साल 2016 में पंजाबी फिल्म में देखा गया था।

आज का राशिफल

मेषः रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें।

वृषभः फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा। आमदनी बढ़ेगी।

मिथुनः विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। किसी से मदद की उम्मीद नहीं रहेगी।

कर्कः घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जल्दबाजी न करें। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं।

सिंहः धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूँजी निवेश बढ़ेगा। पहले किए गए कार्यों का लाभदायी फल आज मिल सकेगा।

कन्याः चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी। रचनात्मक काम करेंगे।

तुलाः शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे।

वृश्चिकः चोट व रोग से बाधा संभव है। बेचैनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनचाही सफलता मिलेगी।

धनुः पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी।

मकरः पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी। खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा। है।

कुंभः प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा।

मीनः पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा।

एंजल राय अब सिनेमा में आने को तैयार

सोशल मीडिया पर चर्चित एंजल राय अब फिल्मों में आने को तैयार है। उन्होंने हाल ही में अपनी पहली साउथ फिल्म साइन की है। राय इंडियन आइडल के विजेता सलमान अली के साथ एक नया गाना भी कर रही हैं। एक गायिका के रूप में अपनी यात्रा शुरू करने वाली एंजल ने अपने आकर्षक वीडियो से लाखों लोगों का दिल जीत लिया है। शॉर्ट वीडियो प्रारूप के माध्यम से, उन्होंने एमएक्स टकाटक ऐप पर अपनी प्रतिभा दिखा कर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। एमएक्स टकाटक पर उनके

1.4 करोड़ से ज्यादा फॉलोवर्स हैं जबकि करोडों लोग उनको पसंद करते हैं। एंजल ने बताया कि वे जल्द ही एक साउथ फिल्म में नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि वे हाल ही में अपनी पहली साउथ फिल्म साइन की है। राय कहती हैं , इंडियन आइडल के विजेता सलमान अली के साथ एक नया गाना भी कर रही हूं।

एंजल राय के सांग रोई ना जे याद मेरी को पहले ही यूट्यूब पर मिलियंस व्यूज हासिल किए हैं। एंजल मॉडल भी है जो सोशल मीडिया पर हमेशा चचाओं में रहती है। इंस्टाग्राम पर दो मिलियन और कई डिजिटल ऐप पर दस मिलियन से ज्यादा लोगों की पसंदीदा एंजल राय जी म्यूजिक के कई सारे गानो में नजर आई हैं। इससे पहले एंजल की एक नजर, रांझरा, आने वाले पल, बॉलीवुड के मशहूर सिंगर जुबिन गर्ग के साथ मिलकर गाया था।

मास्क पहनें और जल्द से जल्द टीका लगवाएंः माधुरी

बॉलीवुड स्टार माधुरी दीक्षित नेने ने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों, अनुयायियों, दोस्तों और उद्योग के सहयोगियों के साथ उनके जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

माधुरी ने शनिवार को अपना 54 वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने रविवार को फेसबुक पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें सभी को शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद कहा। साथ ही, अभिनेत्री ने सभी को याद दिलाया कि हम जिस कठिन परिस्थिति से गुजर रहे हैं, उसे ध्यान में रखते हुए हमें अपना मास्क पहने रखना है । साथ ही जल्द से जल्द टीका लगवाना है। वीडियो में माधुरी ने हिंदी और अंग्रेजी में बात की कहा, सभी को नमस्कार। आशा है कि आप सभी सुरक्षित और स्वस्थ हैं और अपने घरों के अंदर रह रहे हैं। मैं आप सभी को मेरे जन्मदिन पर इतनी हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देना चाहती थी, जो आपने मुझे ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक और हर जगह पर भेजा है।

बनाएं क्रंची मिनी पोटैटो पेनकेक

शाम की चाय के साथ कुछ गरमा-गरम, क्रंची-मची सा खाने का मिल जाए तो मजा ही जाए। तो आज हम आपको बता रहे हैं एक ऐसी ही स्नैक्स रेसिपी।

सामग्री :

आलू- 1 कप (कद्दूकस किया), चावल का आटा- 1/2 कप, हरा धनिया- 1/4 कप (बारीक कटा), हरी मिर्च- 2 टीस्पून (बारीक कटी), मूंगफली- 2 टेबलस्पून (दरदरी पीसी), नमक- स्वादानुसार, तेल- जरूरत के अनुसार, हरी चटनी- 2 टीस्पून, टोमैटो कैचप- 2 टीस्पून

विधि :

एक बाउल में सभी इंग्रेडिएंट्स और एक कप पानी डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब एक पैन गरम करें और उस पर थोड़ा सा तेल लगा दें। फिर पैन में दो टेबलस्पून मिक्सचर डालकर टिक्की के शेप में फैला दें और दोनों ओर से गोल्डन ब्राउन होने तक सेक लें। फिर इसी तरह बाकी के बचे मिक्सचर से और टिक्की बना लें। फिर एक टिक्की लें और उसके ऊपर हरी चटनी लगा लें। फिर उसके ऊपर दूसरी टिक्की रखें और ऊपर से टोमैटो कैचप लगा दें फिर तीसरी टिक्की ऊपर से रख दें और गरमा-गर्म सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 83

बाएं से दाएं :
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

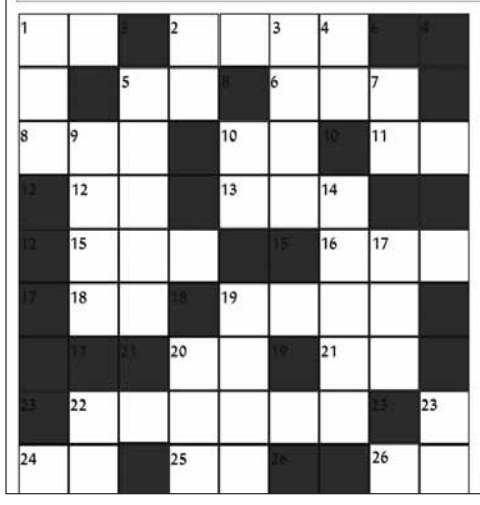

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 82 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	र	ति	■	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

सू-दोकू- 83

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.82 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7